

नोएडा में बनेगा देश का सबसे बड़ा हेलीपोर्ट

चर्चा में क्यों?

15 दिसंबर, 2021 को नोएडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऋतु महेश्वरी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा में देश के सबसे बड़े हेलीपोर्ट बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि हेलीपोर्ट प्रोजेक्ट की डीपीआर, डिज़ाइन और कई दूसरी औपचारिकताओं को राज्य सरकार की ओर से पहले मंजूरी दी जा चुकी है। इस परियोजना पर नोएडा विकास प्रशासन पछिले 5 सालों से कार्य कर रहा है।
- इस हेलीपोर्ट को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी मॉडल) पर नोएडा के सेक्टर-151ए में 9.35 एकड़ में बनाया जाएगा और इस पर 43.13 करोड़ रुपए खर्च होंगे।
- हेलीपोर्ट निर्माण के लिये ग्लोबल टेंडर के ज़रिये कंपनी की तलाश की जाएगी। इसका निर्माण करने वाली कंपनी को ही अगले 30 सालों के लिये इस हेलीपोर्ट का संचालन करने की ज़िम्मेदारी सौंपी जाएगी।
- नोएडा हेलीपोर्ट का निर्माण जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की तर्ज़ पर किया जाएगा। इसके लिये ज़मीन नोएडा विकास प्राधिकरण ही उपलब्ध करवाएगा।
- नोएडा के इस हेलीपोर्ट का उपयोग बहुउद्देश्यीय होगा। यहाँ से कमर्शियल उड़ानें भी भरी जाएंगी, जिनके लिये बेल-412 हेलीकॉप्टर उपयोग होते हैं। इन हेलीकॉप्टर्स में 12 यात्री सवार हो सकते हैं।
- वीवीआईपी मूवमेंट के लिये इस्तेमाल होने वाला दुनिया का सबसे बड़ा हेलीकॉप्टर एमआई-172 भी यहाँ लैंड-टेकऑफ कर सकेगा। इन हेलीकॉप्टर की क्षमता 26 यात्रियों को लाने या ले जाने की होती है। इन बड़े हेलीकॉप्टर की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए नोएडा हेलीपोर्ट की डिज़ाइन तैयार की गई है।
- उल्लेखनीय है कि हेलिकॉप्टर खड़ा करने की जगह को हेलीपैड कहा जाता है और जहाँ एक या एक से अधिक हेलीपैड होते हैं, उस एरिया को हेलीपोर्ट कहते हैं।